दैनिक यशोभूमि
नया तेवर, नया कलेवर
मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

रूसी तेल पर टैरिफ में छूट से महंगाई हो सकती है कम : डॉ. विजय कलंत्री

यशोभूमि/प्रतिनिधि

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' के तहत टैरिफ और प्रतिबंधों में छूट देने का फैसला भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी राहत भरा हो सकता है। इससे

उपभोक्ताओं को राहत का अनुमान

वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता कम होगी और व्यापार में नई बाधाओं का खतरा भी घटेगा। अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होती हैं, तो भारत को तेल आयात बिल में कमी, महंगाई के दबाव में गिरावट और घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार जैसे फायदे मिलेंगे। भारत के बढ़ते 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' नेटवर्क के साथ, ऊर्जा के क्षेत्र में यह अनुकूल माहौल आर्थिक विकास दर को 7.5% से ऊपर ले जाने में मदद कर सकता है। एमवीआईआरडीसी-वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के चेयरमैन और 'ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज' के अध्यक्ष डॉ. विजय कलंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश पर टिप्पणी करते हुए कहा। डॉ. कलंत्री ने बताया कि यह फैसला एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय पर आया है। सर्दियों का मौसम आने वाला है, जिससे प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ऊर्जा की मांग बढ़ेगी। साथ ही, अमेरिका में होने वाले मध्यावधि चुनाव के कारण वहां घरेलू ईंधन की कीमतों और महंगाई पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि



इस छूट से रूस से होने वाली ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बनी भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को कम करने और बाजार के माहौल को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। डॉ. कलंत्री ने आगे कहा कि भारत कच्चे तेल का एक बड़ा आयातक (लगभग 88%) है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का भारत पर बहुत गहरा असर पड़ता है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार कमी आती है, तो इससे आयातित महंगाई को नियंत्रित करने, परिवहन और लॉजिस्टिक्स की लागत घटाने, चालू खाता घाटे पर दबाव कम करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।